सूचना के अधिकार में जानकारी नहीं देने पर तहसीलदार पर जुर्माना हाई कोर्ट ने किया निरस्त

इंदौर | तहसीलदार ममता पटेल पर सूचना का अधिकार के तहत समय पर जानकारी उपलब्ध नहीं कराने के आरोप में राज्य सूचना आयुक्त द्वारा की गई कार्रवाई को हाई कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। तहसीलदार जब नागदा में पदस्थ थी तो एक आवेदक ने उनके यहां सूचना का अधिकार के तहत आवेदन किया था। उन पर जानकारी उपलब्ध नहीं कराने के आरोप में आयुक्त के यहां शिकायत की थी। इस पर आयुक्त ने जुर्माना लगा दिया था। उन्होंने इस कार्रवाई को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने आयुक्त की कार्रवाई को गलत ठहराते हुए आदेश निरस्त कर दिया।

यहां पहले स्कूल की सफाई और फिर पढ़ाई शुरू करते हैं बच्चे

श्रवण शर्मा
बालाघाट। नईदुनिया

मानवटकर

छात्र जीवन में शाला नायक रहते हुए स्कूल के मैदान में गंदगी साफ करके स्वच्छता का संकल्प लेने वाले शिक्षक लक्ष्मीचंद मानवटकर आज सैकड़ों बच्चों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। कायदी हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य मानवटकर अब स्कूल में बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके स्कूल में प्रार्थना के बाद पहले शाला परिसर में सफाई की जाती है, उसके बाद पढ़ाई शुरू होती है। लक्ष्मीचंद मानवटकर ने बताया कि शाला में स्वच्छता कार्य उनकी आदत में शामिल है। पहले यह कार्य उन्होंने खुद किया, फिर शिक्षक साथ आए और अब स्कूल के बच्चे भी प्रार्थना के बाद शौचालय व स्कूल परिसर की सफाई में अपना योगदान देते हैं।

ऐसे मिली प्रेरणा : मानवटकर

खुद स्कूल की सफाई करते हैं प्राचार्य मानवटकर

बताते हैं कि जब वे लालबर्रा के बोरी स्कूल में पढ़ते थे, तब उनके स्कूल के मैदान में खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिस दिन प्रतियोगिता शुरू होनी थी, उस दिन देखा कि खेल के मैदान में किसी बच्चे ने गंदगी कर दी थी। इस कारण खेल शुरू करने में दिक्कत हो रही थी। तब उनसे शिक्षक एसएल उईके ने कहा कि मानवटकर अब क्या करेंगे तो लक्ष्मीचंद मानवटकर ने खुद ही फावड़े से गंदगी को साफ कर दिया।

छुट्टी पर गए तो नहीं हुई सफाई, लौटकर खुद जुट गए सफाई में : प्राचार्य मानवटकर ने बताया कि एक बार वे 3 दिन की छुट्टी पर थे तो तीन दिन स्कूल में सफाई नहीं हुई। जब वह वापस आए तो आते ही झाड़ू उठाकर उन्होंने मैदान व शौचालय की सफाई की। यह देखकर बच्चे भी सफाई करने लगे और पालकों ने भी उनकी सराहना की।

11 साल से बच्चों को कर रहे प्रेरित : मानवटकर लालबर्रा के बोरी निवासी हैं। उनकी स्कूली शिक्षा इसी गांव में पूरी हुई है। उच्च शिक्षा हासिल करने के दौरान उन्होंने 1982 में दिल्ली के परेड मैदान में गणतंत्र दिवस पर बालाघाट कॉलेज की ओर से मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व भी किया है। 1984 में 4 मिनट 32 सेकंड में 1500 मीटर दौड़ का भी रिकॉर्ड रहा है। अनुशासन और स्वच्छता की सीख से अब वे स्वच्छता के नायक के रूप में कार्य कर रहे हैं।